

**विकिरणशील** वि. (तत्.) भौति.रसा. रेडियम, थोरियम आदि के रूप में वह तत्व जिसके परमाणुओं की नाभि में परिवर्तन होने की स्थिति में उसके अंदर से अपने आप किरणें निकलने लगती है।

**विकिरित** वि. (तत्.) 1. जो विकिरण से युक्त हो जैसे- किसी शक्तिशाली विस्फोट के अणु की विकिरित ऊर्जा।

**विकीरना** स.क्रि. (तत्.) 1. किसी चीज को इधर-उधर बिखेरना, चारों ओर छितराना 2. फैलाना।

**विकीर्ण** वि. (तत्.) 1. चारों ओर छितराया हुआ, फैलाया हुआ 2. शिर के उलझे या बिखरे हुए केश 3. भरा हुआ 4. मशहूर 5. पुं. स्वर में उच्चारण का मुख्य दोष।

**विकुंचन** पुं. (तत्.) 1. संकोचना 2. सिकुड़ना 3. मुड़ना।

**विकुंठ** वि. (तत्.) 1. जो धारदार वस्तु चाकू, छूरी आदि कुंठा रहित हो 2. भगवान विष्णु का निवास स्थान, बैकुंठ।

**विकूजन** पुं. (तत्.) 1. पक्षियों का कूजना 2. भनभनाना 3. भँवरे आदि का गुंजार 4. पेट का गुड़गुड़ाना।

**विकृत** वि. (तत्.) 1. जिसमें किसी प्रकार का विकार हो गया हो, विकारयुक्त 2. परिवर्तित 3. भद्दा, कुरूप 4. दूषित 5. रोगी, बीमार 6. पुं. 1. दूसरा प्रजापति 2. साठ में से चौबीसवां संवत्सर।

**विकृतदृष्टि** स्त्री. (तत्.) 1. नेत्र संबंधी एक दोष, भेंगापन पुं. नेत्र दोष वाला, ऐंछाताना, भेंगा।

**विकृति** स्त्री. (तत्.) 1. किसी प्रकार के विकृत होने का भाव या अवस्था 2. खराबी 3. किसी वस्तु का बिगड़ा हुआ रूप 4. किसी के विचार, उद्देश्य आदि का परिवर्तन 5. असाधारण या आकस्मिक घटना 6. रोग 7. विक्षोभ 8. परिवर्तित रूप 9. मद्य आदि जिसमें खमीर पैदा हो गया हो 10. भावावेश 11. मानसिक दोष- काम, क्रोध-लोभ आदि से संबंधित 12. माया भा.दर्श. परिणाम

जैसे- सांख्यशास्त्र में मूल प्रकृति का प्रथम विकार, महत् तत्व है।

**विकृतिकारक** पुं. (तत्.) रसा. विकृति, विकार करने वाला, मानव उपभोग के लिए उपयुक्त न रहने देने के निमित्त उत्पादन शुल्क वाले पदार्थों में मिलाये जाने वाले पदार्थ।

**विकृतिभीति** स्त्री. (तत्.) (मनो.) 1. एक प्रकार का मानसिक रोग 2. किसी रोग के होने के आभासमात्र से अकारण भय।

**विकृति विज्ञान** पुं. (तत्.) चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा जो रोग तथा उसके द्वारा हुए संरचना से संबंधित उत्पन्न परिवर्तनों का निदान प्रस्तुत करती है।

**विकृतिवृत्त अध्ययन** पुं. (तत्.) चिकि. व्यक्ति को होने वाले रोगों से संबंधित उसके व्यक्तित्व का अध्ययन।

**विकृतीकरण** पुं. (तत्.) जो विकृत नहीं है ऐसी किसी वस्तु को विकृत करने की क्रिया या भाव।

**विकृष्टि** वि. (तत्.) 1. जोर से, तेजी से खींचा हुआ 2. खींचकर जिसे अलग कर दिया गया हो।

**विकृष्टि** स्त्री. (तत्.) 1. किसी चीज, वस्तु के विकृष्ट होने की अवस्था या भाव।

**विकेंद्रीकरण** पुं. (तत्.) 1. किसी नियम या व्यवस्था को विकेंद्रित करना 2. राज. केंद्र सरकार के अधिकारों व कार्यों का प्रांतीय स्तर पर या स्थानीय इकाइयों को सौंपने की विशेष प्रक्रिया।

**विकेश** वि. (तत्.) 1. बिना केशों वाला 2. खुले हुए केशों या बालों वाला 3. गंजा।

**विकोश/विकोष** पुं. (तत्.) 1. जो कोश या म्यान से निकला हुआ हो खड़ग आदि 2. जिसका आवरण हटा दिया गया हो। आवरण रहित 3. जिसका छिल्का भूसी आदि हटा दिया गया हो छिल्का रहित।

**विक्रय** पुं. (तत्.) विक्रय, बिक्री।

**विक्रम** पुं. (तत्.) 1. पराक्रम, बहादुरी 2. शक्ति, बल 3. विष्णु 4. पग, कदम 5. विपरीत गति